GIRLS' HIGH SCHOOL & COLLEGE, PRAYAGRAJ

SESSION - 2020 - 2021

CLASS - X^th A.B.C.D.E.F.

SUB. - HINDI

REVISION TEST - 01

TIME - 30 MINUTES M.M - 25

निर्देश :- यह परीक्षा अभिभावकों के निरीक्षण में होनी है। अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि छात्रा 30 मिनट में ही इस प्रश्नपत्र को पूर्ण करे। छात्रा अपने अभिभावकों की सहायता से मूल्यांकन करे और अंक प्रदान करे। अभिभावक मूल्यांकन हेतु लाल अथवा अन्य रंग की स्याही की कलम का उपयोग कर सकते हैं। माता अथवा पिता दिए गए प्राप्तांकों के समक्ष दिनांक सहित अपने हस्ताक्षर कर दें। मूल्यांकित कार्यपत्रक को सुरक्षित रख दें और जब विद्यालय खुले तो प्रस्तुत कर दें।

संकेत - दिए गए निर्देशानुसार सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

श्रावस्ती के राजा विडूडभ ने कपिलवस्तु पर आक्रमण कर दिया। आक्रमण इतने वेग से हुआ कि जनता को निःसहाय छोड़कर अपने प्राणों की रक्षा हेतु राजा भाग खड़ा हुआ। विडूडभ ने राजधानी में प्रवेश करके अपने सैनिकों को लूटमार और हत्या करने की छूट दे दी।

नगर में उत्पात मच गया। संत महानाम से यह सब देखा नहीं गया। वे राजा विडूडभ के पास पहुँचे और बोले, "महाराज मैं आपसे जनता के प्राणों की भीख माँगने आया हूँ।"

राजा विडूडभ लड़कपन में संत महानाम का शिष्य रह चुका था। उसने बड़े आदर से संत को बिठाया और कहा, "आप मेरे गुरु हैं, आपको किसी प्रकार का कष्ट नहीं होगा, परंतु कपिलवस्तु

Scanned with CamScanner

को नष्ट करने का संकल्प मैंने ले रखा है।"

संत ने फिर कहा, "तुम्हें याद होगा कि विद्या पूर्ण करने के बाद जब तुमको गुरुदक्षिणा देनी थी, तब मैंने कहा था, फिर कभी ले लूँगा।"

"मुझे अच्छी तरह याद है।"

"तो फिर उस गुरुदक्षिणा में मुझे जनता के प्राणों की भीख दे दो।"

राजा विचार में पड़ गया। वह सोचने लगा कि उसके संकल्प का क्या होगा? उसने संत से कहा, "ऐसा कोई मार्ग खोजते हैं कि जिससे मेरा संकल्प भी पूरा हो जाए और आपको गुरुदक्षिणा भी मिल जाए।"

"मुझे स्वीकार है"; संत बोले।

सामने सरोवर को देखकर विडूडभ बोला, "आप इस सरोवर में गोता लगाइए, जितनी देर आप जल में रहेंगे, उतनी देर हत्या और लूटपाट बंद रहेगी। यही आपकी गुरुदक्षिणा है। तत्पश्चात् मैं भी अपना संकल्प पूरा करूँगा।"

संत ने उसकी बात मान ली और सरोवर में गोता लगाया। प्राणों की रक्षा के लिए भागती हुई प्रजा प्राणों का मोह त्यागकर सरोवर के चारों ओर एकत्रित हो गई। विडूडभ सोच रहा था कि संत के बाहर आते ही वह इन सभी को मार डालेगा। उधर संत ने अपना उत्तरीय खोलकर सरोवर के मध्य स्तंभ से अपने आप को बाँध लिया। काफ़ी देर बाद जब गोताखोरों को भेजा गया तो वे संत की लाश ही ऊपर ला सके। राजा का मन ऐसा द्रवित हुआ कि वह तुरंत अपनी सेना को लेकर नगर से चला गया और सारी प्रजा सुखपूर्वक अपने नगर में जीवन यापन करने लगी।

Scanned with CamScanner

प्रश्न - 1 - उपर्युक्त गद्यांश में आए हुए शब्दों के उचित विलोम शब्द लिखिए :— (05)

(i) स्वीकार
(ii) बाहर
(iii) राजा
(iv) प्रवेश
(v) आदर

प्रश्न - 2 - उपर्युक्त गद्यांश में आए हुए शब्दों के दो - दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :— (05)

(i) सरोवर
(ii) आक्रमण
(iii) गुरु
(iv) जल
(v) मार्ग

प्रश्न - 3 - उपर्युक्त गद्यांश में आए हुए शब्दों के विशेषण शब्द लिखिए :— (05)

(i) हत्या
(ii) उत्पात
(iii) भीरु
(iv) गीता
(v) नगर

प्रश्न - 4 - नीचे कुछ अर्थ दिए गए हैं जिन्हें समझकर उपर्युक्त गद्यांश में से उनके लिए सटीक शब्द लिखिए :— (05)

(i) रंभा

Scanned with CamScanner

(ii) बिना सहारे के
(iii) पिघलना, पसीजा हुआ
(iv) ऊपर पहनने वाला वस्त्र
(v) दृढ़ निश्चय

प्रश्न - 5- उपर्युक्त गद्यांश में आए वाक्यों में दिए गए शब्दों के कारक लिखिए :- (05)

(i) वेग से
(ii) नगर में
(iii) प्राणों की भीख
(iv) संत ने
(v) नगर से

END

— X —

Scanned with CamScanner